ASTRO ARPITA NATH

वैदिक ज्योतिष में पुरुष बनाम स्त्री राशियाँ

Arpita Nath द्वारा · प्रारंभिक ज्योतिष नोट्स · 2026-09-11

वैदिक ज्योतिष (Jyotish) में, बारह राशियों को दो मूलभूत ऊर्जात्मक ध्रुवों में विभाजित किया गया है: पुरुष (विषम) और स्त्री (सम) राशियाँ।

इस वर्गीकरण का जैविक लिंग (जेंडर) से कोई संबंध नहीं है। इसके बजाय, यह बताता है कि कोई राशि अपनी ऊर्जा को कैसे व्यक्त करती है - क्या यह ऊर्जा को बाहर की दुनिया में प्रक्षेपित करती है (अभिव्यंजक/सक्रिय) या आत्मसात करने के लिए भीतर ग्रहण करती है (ग्रहणशील/चिंतनशील)।

पुरुष राशियाँ (विषम / सकारात्मक / अभिव्यंजक)

पुरुष राशियों में राशि चक्र की सभी विषम संख्या वाली राशियाँ (1, 3, 5, 7, 9, 11) शामिल हैं, जिनमें अग्नि और वायु तत्व सम्मिलित हैं।

6 पुरुष राशियाँ

मेष (Aries) — राशि 1 (अग्नि)

मिथुन (Gemini) — राशि 3 (वायु)

सिंह (Leo) — राशि 5 (अग्नि)

तुला (Libra) — राशि 7 (वायु)

धनु (Sagittarius) — राशि 9 (अग्नि)

कुंभ (Aquarius) — राशि 11 (वायु)

पुरुष ऊर्जा के मुख्य लक्षण

• **बहिर्मुखी और कर्म-उन्मुख**: ऊर्जा बाहरी वातावरण में बदलाव, पहल और सामाजिक जुड़ाव की दिशा में बाहर की ओर बहती है।

• **स्पष्ट और दृढ़ निश्चयी**: सीधी बातचीत, समस्याओं के तत्काल समाधान और निर्णायक नेतृत्व को प्राथमिकता देते हैं।

• **वस्तुनिष्ठ और वैचारिक**: परिस्थितियों को केवल भावनाओं के बजाय तर्क, अमूर्त सिद्धांतों, दूरदर्शिता और सक्रिय कर्म के माध्यम से संसाधित करते हैं।

• **दिन-उन्मुख (सौर)**: पिंगला नाड़ी (सौर ऊर्जा चैनल) से संबंधित, जो गर्मजोशी, जीवन शक्ति, उत्साह और सामाजिक दृश्यता का प्रतिनिधित्व करती है।

स्त्री राशियाँ (सम / नकारात्मक / ग्रहणशील)

स्त्री राशियों में राशि चक्र की सभी सम संख्या वाली राशियाँ (2, 4, 6, 8, 10, 12) शामिल हैं, जिनमें पृथ्वी और जल तत्व सम्मिलित हैं।

6 स्त्री राशियाँ

वृषभ (Taurus) — राशि 2 (पृथ्वी)

कर्क (Cancer) — राशि 4 (जल)

कन्या (Virgo) — राशि 6 (पृथ्वी)

वृश्चिक (Scorpio) — राशि 8 (जल)

मकर (Capricorn) — राशि 10 (पृथ्वी)

मीन (Pisces) — राशि 12 (जल)

स्त्री ऊर्जा के मुख्य लक्षण

• **अंतर्मुखी और ग्रहणशील**: ऊर्जा संश्लेषण, भावनात्मक एकीकरण, सहनशीलता और गहन मंथन के लिए भीतर की ओर मुड़ती है।

• **रणनीतिक और धैर्यवान**: अवलोकन, योजना, विकास को पोषित करने और उपयुक्त अवसर की प्रतीक्षा करने को प्राथमिकता देते हैं।

• **व्यक्तिपरक और सहजज्ञानी**: परिस्थितियों को सहज बोध (इंस्टिंक्ट), भावनात्मक तालमेल, व्यावहारिक प्रणालियों और अवचेतन ज्ञान के माध्यम से संसाधित करते हैं।

• **रात्रि-उन्मुख (चंद्र)**: इड़ा नाड़ी (चंद्र ऊर्जा चैनल) से संबंधित, जो शीतलता, पुनर्स्थापना, भावनात्मक गहराई और आंतरिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है।

ध्रुवीयता आपकी जन्म कुंडली को कैसे रूप देती है

एक ज्योतिषी आपकी जन्म कुंडली में प्रमुख ग्रहों की स्थिति देखकर पुरुष और स्त्री ध्रुवीयताओं के बीच संतुलन का मूल्यांकन करता है:

1. प्रबल पुरुष ऊर्जाजब लग्न (Ascendant), चंद्रमा, सूर्य या अधिकांश व्यक्तिगत ग्रह विषम संख्या वाली राशियों में स्थित होते हैं, तो व्यक्ति अत्यधिक आत्मनिर्भर, अभिव्यंजक, सक्रिय और स्वतंत्र स्वभाव का होता है। वे नई पहल करने में उत्कृष्ट होते हैं, लेकिन कभी-कभी उन्हें धैर्य रखने या शांति से दूसरों को सुनने में कठिनाई हो सकती है।

2. प्रबल स्त्री ऊर्जाजब कुंडली के मुख्य बिंदु प्रमुख रूप से सम संख्या वाली राशियों में होते हैं, तो व्यक्ति में उल्लेखनीय सहनशीलता,

भावनात्मक बुद्धिमत्ता, सतर्कता और व्यावहारिक क्रियान्वयन क्षमता होती है। वे स्थायी संरचनाओं के निर्माण और जटिल परिस्थितियों को संभालने में माहिर होते हैं, लेकिन कोई बड़ा कदम उठाने से पहले कभी-कभी अत्यधिक सोच-विचार कर सकते हैं।

3. ग्रहों का सामंजस्यकुछ ग्रह विशिष्ट राशि ध्रुवीयताओं में अधिक स्वाभाविक महसूस करते हैं। उदाहरण के लिए, आक्रामक मंगल और प्रभावशाली सूर्य स्वाभाविक रूप से अपनी प्रेरक शक्ति को पुरुष राशियों में व्यक्त करते हैं, जबकि पोषण करने वाला चंद्रमा और वैभवशाली शुक्र अक्सर स्त्री राशियों में सहज गहराई पाते हैं।

---

https://astroarpitanath.com/hindi/masculine-vs-feminine-signs/

ज्योतिष केवल मार्गदर्शन के लिए प्रदान किया जाता है। जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए, कृपया किसी योग्य पेशेवर से परामर्श लें।